MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions गद्य Chapter 4 नारियल

बोध प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
लेखक के अनुसार अनुष्ठान के मांगलिक द्रव्यों की सूची में कौन-सी चीज है? जो अवश्य रखी जाती है।
उत्तर:
अनुष्ठान के मांगलिक द्रव्यों की सूची में नारियल को अवश्य रखा जाता है।

प्रश्न 2.
नारियल कहाँ का वृक्ष है?
उत्तर:
नारियल उष्ण कटिबन्ध का वृक्ष है।

प्रश्न 3.
नारियल का फल कैसा होता है?
उत्तर:
नारियल का फल ऊपर से कठोर एवं शुष्क होता है पर भीतर से एकदम रसपूर्ण होता है।

प्रश्न 4.
'वंश' शब्द के क्या अर्थ हैं?
उत्तर:
'वंश' शब्द के दो अर्थ हैं-बाँस और पुत्र।

प्रश्न 5.
भारवि की प्रशंसा में मल्लिनाथ की उक्ति क्या है?
उत्तर:
भारवि की प्रशंसा में मल्लिनाथ की उक्ति है कि भारवि की अर्थ गम्भीर वाणी नारियल के फल की तरह ऊपर से कठोर और भीतर से एकदम रसपूर्ण है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
तमिलनाडु में लेखक को क्या-क्या देखने को मिला?
उत्तर :
तमिलनाडु में लेखक को भारत के समुद्र की तटरेखा देखने को मिली। यह तटरेखा पल्लवों के ऐश्वर्य की छाँह में नारियल के पेड़ों की पंक्ति से युक्त थी।

प्रश्न 2.
नारियल को पिता के प्यार से जोड़ने के पीछे जो दृष्टि है वह क्या है और क्यों?
उत्तर:
नारियल को पिता के प्यार से जोड़ने के पीछे लोक चेतना की गहरी जीवन दृष्टि है जो अनुशासन को महत्त्व देती है, अनुशासित वात्सल्य को महत्व देती है। इसका अभिप्राय यह है कि जीवन में कठोर अनुशासन तो हो पर साथ ही दूसरों को सुख देने की मधुर कामना भी हो तभी जीवन सार्थक एवं सफल माना जाएगा।

प्रश्न 3.
नारियल के 'भाव बन्धन' से लेखक का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
नारियल के 'भाव बन्धन' से लेखक का यह तात्पर्य है कि जब हम अपने किसी पूज्य या सम्मानित व्यक्ति को नारियल भेंट करते हैं तो उसके पीछे यह भाव होता है कि तुम हमारे जीवन में अन्तर्निहित सम्पूर्ण श्रद्धा की भावना को ले जाओ और श्रद्धा से आबद्ध व्यक्ति सदैव गतिशील रहता है, वह कभी भी रुकता नहीं है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
निम्नलिखित गद्य खण्डों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए
(अ) इसमें वह कठोरता ..... आँख न हो।
उत्तर:
सन्दर्भ :
प्रस्तुत गद्यांश 'नारियल' पाठ लेख से लिया गया है। इसके लेखक पं. विद्यानिवास मिश्र हैं।

प्रसंग :
लेखक ने इस अंश में नारियल के रूप में छिपी हुई भावनाओं पर प्रकाश डाला है।

व्याख्या :
लेखक कहता है कि नारियल का फल मांगलिक कार्यों में प्रयोग में लाया जाता है। मांगलिक का अर्थ मधुर होना है। पर यहाँ यह भी बताया गया है कि उसका अर्थ मधुर होना
तो है ही साथ ही उसमें कठोरता का होना भी अनिवार्य माना गया है। क्योंकि कठोरता के अभाव में मधुरता की रक्षा नहीं हो सकती। यदि उसमें कठोरता होगी तो वह ताप को तथा अन्य अनेक प्रकार की कुत्सित (बुरी) दृष्टियों को भी सरलता से झेल सकेगी। इसके साथ ही उसमें हर चीज को गहनता से देखने हेतु एक तीसरा नेत्र भी हो। नारियल में तीन आँखें होती हैं, इसी ओर लेखक का इशारा है।

(ब) कठोरता के बिना ..... द्रव नहीं बनता।
उत्तर:
सन्दर्भ एवं प्रसंग :
पूर्ववत्।

व्याख्या :
लेखक कहता है कि जीवन में मधुरता की रक्षा कठोरता ही कर सकती है अतः मानव को मधुर एवं सहज होने के साथ-ही-साथ कठोर एवं संयमित भी होना चाहिए। ताप या कष्टों के झेल लेने के पश्चात् ही मधुर रस का जन्म होता है। अतः मनुष्यों को नारियल के समान ऊपर से शुष्क एवं कठोर होना चाहिए तथा अन्दर से रससिक्त।

https://www.evidyarthi.in/

(स) ऋतु चक्र ..... पर ही होता है।
उत्तर:
लेखक कहता है कि यह हिन्दुस्तान देश अपने आपमें अनोखा है। इसकी पहचान इसमें बहने वाली नदियों से होती है या इस देश में पायी जाने वाली वनस्पतियों से होती है। इसके देशकाल की जानकारी यहाँ बहती हुई नदियाँ अथवा यहाँ पर पाये जाने वाले बड़े वृक्षों से होती है। कौन-सी ऋतु कब आ रही है। उसका आभास सबसे पहले वनस्पतियाँ ही देती हैं। यथा-सरसों के फूलने पर या नये-नये पत्तों के आने पर बसन्त ऋतु के आगमन की सूचना मिल जाती है उसी प्रकार पत्तों के वृक्षों से पृथ्वी पर गिरने से हमें पतझड़ की सूचना मिल जाती है।

प्रश्न 2.
'नारियल' विषय पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।
उत्तर:
'नारियल' का हमारी संस्कृति में विशेष महत्त्व है। सभी मांगलिक कार्यों में; यथा-हवन में, कथा में, विवाह में, पूजा में, मकान, दुकान के शुभ मुहूर्त आदि सभी में नारियल की महत्ता मानी जाती है।

नारियल का फल उष्ण कटिबन्ध का फल है। समुद्र तटीय इलाकों में इसकी खूब पैदावार होती है। यह देखने में ऊपर से शुष्क एवं कठोर होता है पर भीतर से एकदम मधुर होता है। लेखक का मानना है कि कर्तव्यपरायण व्यक्ति भी नारियल के ही समान होता है। वह कर्तव्यपालन में अनुशासन एवं आत्म संयम पर बल देता है साथ ही अन्दर से वह कोमल एवं मधुर तथा परोपकारी होता है। इस प्रकार अनुशासन रखते हुए भी वह कल्याणकारी कार्य करता है। इसी कारण मांगलिक कार्यों में नारियल को विशेष महत्त्व दिया गया है।

नारियल की तुलना पिता से की गयी है। पिता भी नारियल के समान ही ऊपर से कठोर एवं अनुशासन प्रिय होता है पर भीतर से दयार्द्र एवं कोमल होता है। समाज के लोगों को भी अपना जीवन नारियल के अनुरूप बनाना चाहिए।

प्रश्न 3.
'पिता' की तुलना नारियल की किस प्रकृति विशेष से की है और क्यों?
उत्तर:
पिता की तुलना नारियल की उस प्रकृति विशेष से की है जिसमें नारियल ऊपर से तो शुष्क एवं कठोर दिखाई देता है पर भीतर से मधुर रस से पूर्ण होता है। उसी तरह पिता भी अनुशासन का प्रबल समर्थक होने के कारण ऊपर से शुष्क एवं कठोर दिखाई देता है पर इस अनुशासन की कठोरता धारण करता हुआ पिता बालक के हित एवं कल्याण की भावना अपने अन्त:करण में संजोये रखता है। अनुशासन के मूल में दूसरों के हित की भावना भरी हुई है। अतः जीवन में अनुशासन पिता के समान ही होना चाहिए।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1.
निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिएसारथकता, रितु, रिणियों, मधूर।
उत्तर:

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
'सारथकता	सार्थकता	रिणियों	ऋणियों
रितु	ऋतु	मधूर	मधुर।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी मानक रूप लिखिएपिपरा,
इमलिया।
उत्तर:

शब्द	हिन्दी मानक रूप
पिपरा	पीपल
इमलिया	इमली

प्रश्न 3.
निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिएसिंचन, तपन, भोग, गाँव, मधुर।
उत्तर:

शब्द	**विलोम**
सिंचन	असिंचन
तपन	शीत
भोग	योग
गाँव	नगर
मधुर	कटु

प्रश्न 4.
निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-
वनस्पति, मधुरता, पीढ़ी-दर-पीढ़ी, वंश वृक्ष, अभिनन्दन।
उत्तर:
वनस्पति – पर्वतीय क्षेत्रों में वनस्पतियाँ बहुत मिलती हैं।
मधुरता – नारियल ऊपर से तो कठोर लगता है पर भीतर मधुरता भरे रहता है।
पीढ़ी-दर-पीढ़ी – मनुष्य इस संसार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने समाज को कुछ-न-कुछ देता ही रहता है।
वंश वृक्ष – हर मनुष्य का अपना वंश वृक्ष होता है।
अभिनन्दन – सज्जन लोगों का समाज को सदैव अभिनन्दन करना चाहिए।

'प्रश्न 5.
निम्नलिखित शब्दों में रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग-अलग लिखिए
नववधु, उद्यान-विज्ञानी, विरूप, विश्व, मंत्र, लता, हिमालय।
उत्तर:

रूढ़	**यौगिक**	**योगरूढ़**
विरूप	नववधु	हिमालय
विश्व	उद्यान-विज्ञानी	
मंत्र		
लता		

https://www.evidyarthi.in/